सूरदास के पद

मेरे लाल

(1) समानार्थी शब्द पद से ढूँढकर लिखें।
दाँत, युवती, तो, से, सुख देनेवाला, छोटा, सफल, दृष्टि, पति, दोनों, आँख, पुत्र, संतुष्ट हुई, बिजली, होश
(2) प्रस्तुत पद किससे संबंधित हैं?
(3) प्रस्तुत पद का आस्वादन टिप्पणी तैयार करें।
(4)
(5) नंद का मुख क्यों खुशी से भर गए?
(6) किलकारी करनेवाली कृष्ण की दाँतों को देखकर क्या लगता हैं?
(7) अपने पुत्र के बारे में यशोदा और नंद के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।
(8) अपने पुत्र की दूध की दाँतें देखकर यशोदा माँ अपने आप को भूल जाते हैं। वह अपनी डायरी में क्या लिखा होगा। कल्पना करके लिखें।
(9) सूरदास कृष्ण के दाँतों की तुलना किस से करते हैं?

हे कान्ह .....

(1) समानार्थी शब्द दोहे से ढूढ़कर लिखें।
वन, कामकाज, सुनकर, मर्यादा, भूल गई, वेद, थोडा भी, नहीं, डरना, कृष्ण, सागर, नदि, गोपिकाएँ, प्रवाह, बही, स्नेह, आशंका, चतुर, नया, हर लिया
(2) प्रस्तुत पद किससे संबंधित हैं?
(3) प्रस्तुत पद का आस्वादन टिप्पणी तैयार करें।
(4) मुरली की ध्वनि में लीन राधा कृष्ण के पास पहुँचा। कृष्ण और राधा के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।
(5) कृष्ण के मुरली नाद का क्या प्रभाव गोपिकाओं में पड़ा?
(6) मुरली नाद सुनकर गोपिकाएँ क्या-क्या भूल गई?
(7) प्रस्तुत पद में कृष्ण और गोपिकाओं की तुलना किन-किन से करते हैं?
(8) मुरली की ध्वनि में लीन एक गोपिका प्रणयातुर होकर अपनी डायरी लिखते हैं। डायरी का वह पन्ना कल्पना करके लिखें।
(9) 'प्रभु मन हरि लीन्हों नागर नवल हरी' – तात्पर्य क्या हैं।

****

DO NOT COPY